समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 10 September 2026

संघर्ष से सफलता तक : राधास्वामी गाउन हाउस के संस्थापक एन. पी. जाजू और तुषार जाजू की प्रेरणादायक उद्यमशील यात्रा

Sanket Morankar Published on 10 Jan 2026

जीवन में सफलता का रास्ता कभी भी आसान नहीं होता...
कभी आर्थिक कठिनाइयाँ सामने आती हैं,
कभी समाज की उपेक्षा और आलोचना सहनी पड़ती है,
तो कभी परिस्थितियाँ ही हमें पीछे खींचने की कोशिश करती हैं...

लेकिन ऐसे ही कठिन समय में कुछ लोग खुद को साबित करते हैं—
अपनी मेहनत, निरंतर प्रयास और कभी हार न मानने वाले जज़्बे के साथ।

ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी है—
एन. पी. जाजू
संस्थापक – राधास्वामी गाउन हाउस
छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद)

जिन्होंने अपने दूरदर्शी सोच, साहस और ईमानदार परिश्रम के बल पर
नाइट गाउन के रिटेल व्यवसाय में अपनी एक मजबूत और अलग पहचान बनाई।

एन. पी. जाजू एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं।
घर की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी,
लेकिन संस्कार अत्यंत मजबूत थे—

"मेहनत करो, ईमानदार रहो,

तरक्की अपने आप तुम्हारे कदम चूमेगी।"

बचपन से ही उन्हें व्यवसाय में रुचि थी।
लोगों से संवाद करना,
उनकी जरूरतों को समझना
और उसी से अवसर खोजना—
यही उनकी सबसे बड़ी ताकत रही।

इसी सोच से एक स्पष्ट संकल्प लिया गया—

**"महिलाओं को आरामदायक, गुणवत्तापूर्ण
और भरोसेमंद वस्त्र उपलब्ध कराने है।"**

और यहीं से जन्म हुआ—
राधास्वामी गाउन हाउस का।

नाइट गाउन का रिटेल व्यवसाय देखने में भले ही सरल लगे,
लेकिन वास्तविकता में यह अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक और जोखिम भरा क्षेत्र है।

- नए डिज़ाइनों की सतत खोज
- गुणवत्ता बनाए रखने की चुनौती
- ग्राहकों की पसंद के अनुसार स्टॉक
- और साथ ही उचित मूल्य बनाए रखना

इन सभी जिम्मेदारियों को संभालते हुए
इस व्यवसाय को आगे बढ़ाने की कमान
तुषार जाजू ने बखूबी संभाली।

बाजार के बदलते ट्रेंड्स का अध्ययन करना,
विभिन्न शहरों से माल का चयन करना,
और ग्राहकों को हमेशा कुछ नया और बेहतर देना—
यही उनका लक्ष्य बना।

इस सफर में कई उतार-चढ़ाव आए...
कभी स्टॉक नहीं चला,
कभी बाजार मंदा रहा,
कभी आर्थिक दबाव बढ़ा...

लेकिन **एन. पी. जाजू और तुषार जाजू**
कभी रुके नहीं।

उनका एक ही विश्वास रहा—

**"अगर ग्राहक का भरोसा जीत लिया,
तो सफलता अपने आप मिल जाती है।"**

और आज उसी भरोसे के कारण
राधास्वामी गाउन हाउस
छत्रपति संभाजीनगर में
महिलाओं के लिए विश्वास का नाम बन चुका है।

उनकी यह कहानी हमें सिखाती है—

• सपने बड़े होने चाहिए
• शुरुआत छोटी हो सकती है
• निरंतरता से सफलता मिलती है
• और मेहनत के आगे किस्मत को भी झुकना पड़ता है

आज **तुषार जाजू** केवल एक व्यवसायी नहीं,
बल्कि अपने क्षेत्र के युवाओं के लिए
प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं।

उनके समर्पण, जिद और
उत्कृष्ट सेवा भावना को सम्मान देते हुए
उन्हें एक प्रतिष्ठित मंच पर
सम्मानित किया जा रहा है—
जो अत्यंत गर्व की बात है।

⍰ **वर्षा उसगांवकर** – अभिनेत्री
⍰ **सोनाली कुलकर्णी** – अभिनेत्री
⍰ **प्रार्थना बेहरे** – अभिनेत्री

श्री सुधीर कुमार पठाडे
Founder & CEO – **Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.**

इस अवसर पर तुषार जाजू अपने भाव व्यक्त करते हुए कहते हैं—

“[illegible],
[illegible]-[illegible]
[illegible] ‘[illegible]’ [illegible]
[illegible]
[illegible]—
[illegible]
([illegible]) [illegible]
[illegible]
[illegible] Reseal [illegible]”

मेहनत + ईमानदारी + दृढ़ संकल्प = निश्चित सफलता

तुषार जाजू वास्तव में
“[illegible]… [illegible]”
इस विचार के सजीव उदाहरण हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.